A **(Printed Pages 3)**

Roll No. ____________

A-249

शास्त्रि-द्वितीय-वर्ष परीक्षा, 2015

आधुनिक-विषय

प्रथम-हिन्दी

समय : तीन घण्टे **पूर्णांक : 100**

निर्देश : कुल **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। **प्रथम प्रश्न अनिवार्य** है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक वर्ग से **एक** प्रश्न कीजिए।

1. निम्नलिखित प्रश्नों के लघु उत्तर दीजिए : $4 \times 10 = 40$

(क) प्रसाद की चार रचनाओं के नाम लिखिए।

(ख) निराला की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।

(ग) छायावाद की प्रमुख प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए।

(घ) 'कामायनी' के नायक की प्रमुख चारित्रिक विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ङ) दिनकर की प्रमुख रचनाओं के नाम लिखिए।

(च) 'ललित निबन्ध' किसे कहते हैं? स्पष्ट कीजिए।

(छ) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी के प्रमुख ललित निबन्धों का उल्लेख कीजिए।

P.T.O.

(ज) पंत की 'नौका विहार' कविता का भाव लिखिए।

(झ) महादेवी वर्मा की प्रमुख रचनाओं का नामोल्लेख कीजिए।

(ञ) हिन्दी के प्रमुख चार निबन्धकारों के नाम लिखिए।

प्रथम-वर्ग 15

2. निम्नलिखित अवतरण की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए और काव्य सौष्ठव का भी उल्लेख कीजिएः

प्रकृति के यौवन का श्रृंगार करेंगे कभी न बासी फूल,
मिलेंगे वे जाकर अतिशीघ्र आह उत्सुक है उनकी धूल।
पुरातनता का यह निर्मोक सहन करती न प्रकृति पल एक,
नित्य नूतनता का आनन्द किये है परिवर्तन की टेक।

3. सुमित्रानन्दन पंत के काव्य वैशिष्ट्य का सोदाहरण विवेचन कीजिए।

द्वितीय-वर्ग 15

4. निम्नलिखित अवतरण की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिएः

साहित्य और उपासना दोनों के मूल में एक ही तत्व काम करता है। घनीभूत भावना का एक मुख निकास साहित्य और उपासना- दोनों को जन्म देता है। यद्यपि साहित्य का क्षेत्र उपासना के क्षेत्र से बहुत विस्तृत है तथापि उसका एक क्षेत्र उपासना के क्षेत्र से घनिष्ठ रूप से सम्बद्ध है। बल्कि कहना चाहिए कि इस दृष्टि से ये दोनों एक ही वस्तु के दो रूप हैं। मनः प्रवृति के रूप में जो

उपासना है, अभिव्यंजना के क्षेत्र में वही साहित्य हो जाता है।

5. हिन्दी निबंध के विकास मे आचार्य रामचन्द शुक्ल के योगदान का विवेचन कीजिए।

तृतीय-वर्ग 15

6. प्रगतिवादी काव्य की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

7. 'प्रसाद प्रेम और सौन्दर्य के कवि हैं।' सोदाहरण प्रमाणित कीजिए।

चतुर्थ-वर्ग 15

8. आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी की निबन्ध-शैली की विवेचना कीजिए।

9. 'दिनकर' का काव्य राष्ट्रीय चेतना से परिपूर्ण है।' इस कथन की समीक्षा कीजिए।